कार्यालय प्राचार्य, शासकीय राजकुमार धीरज सिंह, महाविद्यालय
उदयपुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

यूजीसी से 2 (F) मान्यता , संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर से संबद्ध

COLLEGE CODE- 3405 "NAAC द्वारा मूल्यांकित - B ग्रेड " (2.18 CGPA) मो0 नं0– 9303891866

Website:govtrdscollegeudaipur.in Email ID govtrdscollegeudaipur01@gmail.co

उदयपुर दिनांक, 26/07/2024

–:प्रतिवेदन:–

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर सरगुजा छ.ग. में आज दिनांक 26/07/2024 को **'कारगिल विजय दिवस'** कार्यक्रम का अयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. वंदना पाण्डेय ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ शहीद वीर जवानों की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों के द्वारा विजय दिवस के सन्दर्भ में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये गए। शहीद वीर जवानों के पराक्रम और त्याग की गौरवगाथा का आख्यान किया गया।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले।
वतन पर मरने वालों का यही नामों निशां होगा।

विद्यार्थियों के वक्तव्य के पश्चात महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा **'कारगिल विजय दिवस'** के अवसर पर तात्कालिक युद्ध की परिस्थितियों में भारतीय सेना द्वारा त्याग और वीरता की घटनाओं का सजीव वर्णन किया गया। भौगोलिक विषमताओं और प्रतिकूल परिस्थितियों में वीर सैनिकों द्वारा अभूतपूर्व शौर्यशक्ति का परिचय देकर भारत के अस्मिता और गौरव की रक्षा की गई और अपने प्राणों की आहुति देकर दुश्मन सेना को पराजित कर भारत का झण्डा हिमालय की चोटी पर फहराया गया। यह कार्य वीर जवानों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर की।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य महोदया द्वारा माखन लाल चतुर्वेदी की प्रसिद्ध कविता **'पुष्प की अभिलाषा'** का पाठ कर इसमे निहित भावों का आख्यान कर देशप्रेम की भावना का संचार किया। कार्यक्रम के अन्त में शहीद वीर जवानों की त्याग और देशसेवा की भावना को हृदय में संजोकर रखने और उनके प्रति सम्मान रखने के आह्वान के साथ, कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र कमलेश राजवाड़े द्वारा किया गया।

mukesh 26/07/24
संयोजक

Govt.RDS College AISHE C-9680 Udaipur Distt.-Surguja (C.G.)

26/7/24
For प्राचार्य
शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय,
उदयपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

प्राचार्य
शास. राजकुमार धीरज सिंह
महा.वि.–उदयपुर

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

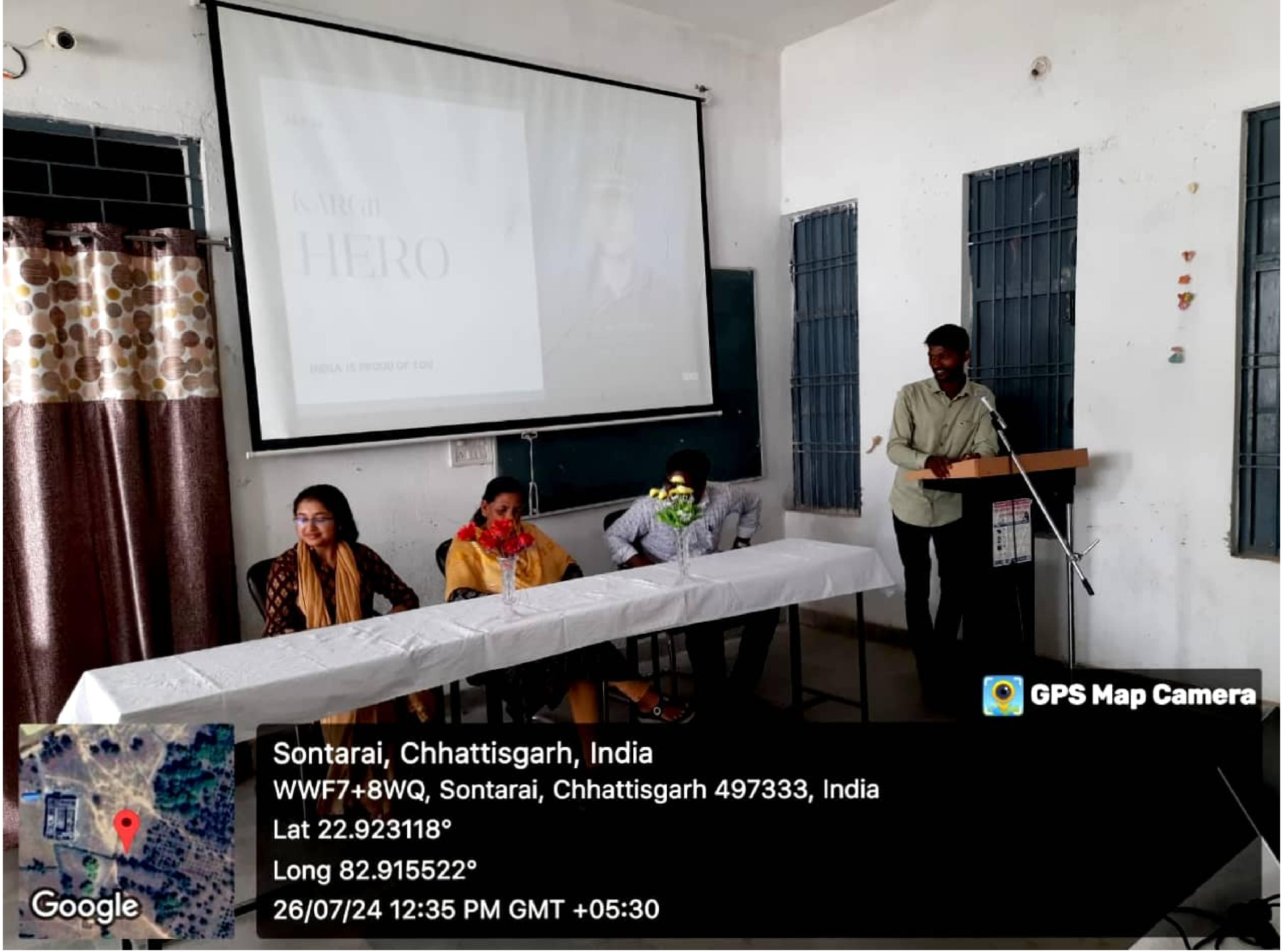

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

पुष्प की अभिलाषा

चाह नहीं मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव
पर हे हरि, डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावें वीर अनेक

Scanned with OKEN Scanner